

मनोज चन्द्रन
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रमुख वन संरक्षक,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

देहरादून दिनांक 24 मार्च, 2014

वन एवं पर्यावरण अनुभाग-2

विषय:- वन विभाग के अनुदान सं०-27 के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2013-14 के आयोजनेतर पक्ष की "उत्तराखण्ड वन विकास निधि का गठन" योजना में वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन, उत्तराखण्ड, देहरादून का शासन को सम्बोधित पत्र सं० नि-1231/3-2 (आयोजनेतर-सा०अधि०) दि० 03 जनवरी, 2014 एवं प०सं०- नि० 1538/3-9(व०वि०नि०) दि० 22 मार्च, 2014 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि अनुदान सं०-27 में वन विभाग के आयोजनेतर पक्ष की "उत्तराखण्ड वन विकास निधि का गठन" योजना हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2013-14 में प्राविधानित आय-व्यय के सापेक्ष ₹ 20,00,000/- (₹ बीस लाख मात्र) की धनराशि व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन प्रदान करते हैं :-

1. उक्तानुसार स्वीकृत धनराशि के व्यय से पूर्व वित्त अनुभाग-1 के शासनादेश सं०-284/XXVII(1)/2013 दिनांक 30 मार्च, 2013 एवं शासनादेश सं०-413/XXVII (1)/2013 दिनांक 10 जून, 2013 द्वारा दिये गये निर्देशों एवं बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों, वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम), आय-व्यय के सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल), उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रॉक्चोरमेंट) नियमावली, 2008 तथा अन्य सुसंगत नियम शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। यदि स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य समक्ष प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, उनमें व्यय करने के पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। अवमुक्त की जा रही धनराशि का व्यय/रखरखाव उत्तरांचल वन विकास निधि नियमावली-2004 में इंगित प्राविधानों के अधीन सुनिश्चित किया जायेगा।
2. योजना के कार्यान्वयन में विद्यमान आदर्श आचार संहिता का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
3. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए।
4. कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित किया जाय।
5. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 2047/XIV-219(2006) दिनांक 30-05-2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाय।
6. स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र महालेखाकार एवं शासन के वित्त विभाग को वर्षान्त तक अवश्य उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।
7. अवमुक्त की जा रही धनराशि के सापेक्ष कराये जाने वाले कार्यों को कराये जाने से पूर्व यह अवश्य सुनिश्चित कर लिया जाय कि सम्बन्धित कार्य विभागीय अन्य योजनाओं में पूर्व से स्वीकृत नहीं है यदि कार्य किसी अन्य योजना के अन्तर्गत पूर्व से स्वीकृत है तो कार्य के सापेक्ष व्यय एक ही योजना के अन्तर्गत किया जाए।
8. स्वीकृत कार्यों हेतु अनुमोदित लागत के सापेक्ष कार्य पूर्ण होने के उपरान्त यदि धनराशि की बचत होती है तो बचत की धनराशि से यथासमय शासन को सूचित किया जाय।
9. आपके निर्वर्तन पर रखी जा रही धनराशि का आहरण वितरण अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाय जिससे फील्ड स्तर पर बजट उपलब्ध न होने की स्थिति उत्पन्न न हो।

क्रमशः.....2

10. बी0एम0-13 पर नियमित रूप से प्रशासकीय विभाग एवं वित्त विभाग को विलम्बतम 05 तारिख तक पूर्व माह की सूचना उपलब्ध कराई जाय।
 11. मानक मदों के आहरण प्रणाली के सम्बन्ध में शासनादेश सं0-ब-06/X-2-2010-12(11)/2009 दि0 31 मार्च, 2010 द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशानुसार कार्यवाही की जायेगी।
 12. व्यय करने के पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सम्बन्ध प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, उनमें व्यय करने के पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
 13. निर्गत की जा रही वित्तीय स्वीकृति का आवंटन पत्र कम्प्यूटर के माध्यम से जनरेट किया गया है एवं इसका Allotment Id S1403270365 है। आप भी अपने स्तर से अधिनस्थ आहरण वितरण अधिकारियों को कम्प्यूटर के माध्यम से online बजट आवंटन करना सुनिश्चित करेंगे।
- 2- उक्त सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2013-14 के स्वीकृत आय-व्यय के सापेक्ष अनुदान संख्या-27 के लेखा शीर्षक 2406-वानिकी तथा वन्य जीवन 01-वानिकी 800-अन्य व्यय 16-00-उत्तराखण्ड वन विकास निधि का गठन में मानक मद-20 सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता मद के नामे डाला जायेगा। इस प्रयोजन हेतु Online Budget Allotment की हार्ड कापी भी संलग्न की जा रही है।
- 3- ये आदेश वित्त अनुभाग-1 के शासनादेश सं0-284/XXVII(1)/2013 दिनांक 30 मार्च, 2013 एवं शासनादेश सं0-413/XXVII(1)/2013 दि0 10 जून, 2013 के क्रम में निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्नक-चथोपरि।

भवदीय,

(मनोज चन्दन)
अपर सचिव

संख्या-852/X-2-2014, तददिनांकित.

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार(आडिट), उत्तराखण्ड, वैभव पैलस, सी-1/105, इन्दिरानगर, देहरादून।
2. महालेखाकार(ए एण्ड ई), उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, माजरा, देहरादून।
3. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. मुख्य वन संरक्षक, अनुश्रवण, मूल्यांकन एवं लेखा परीक्षा, उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. मुख्य वन संरक्षक, सर्तकता एवं कानून प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड, देहरादून।
6. आयुक्त गढ़वाल/कुमाऊँ मण्डल, उत्तराखण्ड।
7. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
8. वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
9. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएँ, देहरादून।
10. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय, देहरादून।
11. सम्बन्धित कोषाधिकारी/मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
12. प्रभारी, एन.आई.सी., उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
13. गार्ड फाईल।

(मनोज चन्दन)
अपर सचिव

बजट आवंटन वित्तीय वर्ष - 20132014

Secretary, Forest (S016)

852
आवंटन पत्र संख्या - /X-2-2014-12(43)/2012

अनुदान संख्या - 027

अलोटमेंट आई डी - S1403270365

आवंटन पत्र दिनांक - 22-Mar-2014

HOD Name - Principal Chief Conservator of Forest (4260)

1: लेखा शीर्षक 2406 - वानिकी तथा वन्य जीवन 01 - वानिकी
800 - अन्य व्यय
00 - उत्तरांचल वन विकास निधि का गठन 16 - उत्तराखण्ड वन विकास निधि का गठन

Non Plan Voted			
मानक मद का नाम	पूर्व में जारी	वर्तमान में जारी	योग
20 - सहायक अनुदान/अनुदान/राज	0	2000000	2000000
	0	2000000	2000000

Total Current Allotment To Head Of The Department In Above Schemes -

2000000